

বুলুগুল মারাম

হাদিস নম্বরঃ ৬২২

পর্ব - ৪ঃ যাকাত (كتاب الزكاة)

পরিচ্ছেদঃ অলংকারে যাকাতের বিধান

আরবী

وَعَنْ أُمِّ سَلَمَةَ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهَا; أَنَّهَا كَانَتْ تَلْبَسُ أَوْضَاحًا مِنْ ذَهَبٍ فَقَالَتْ: يَا رَسُولَ اللَّهِ! أَكَنْزٌ هُوَ؟ فَقَالَ: «إِذَا أُدِّيَتْ زَكَاتُهُ، فَلَيْسَ بِكَنْزٍ». رَوَاهُ أَبُو دَاوُدَ، وَالدَّارَقُطْنِيُّ، وَصَحَّحَهُ الْحَاكِمُ

হাদিস صحيح، وإسناده ضعيف. رواه أبو داود (1564)، والدارقطني (2 / 105 / 1)، والحاكم (1 / 390)، وقد أعل هذا الحديث ابن الجوزي في «التحقيق»، والبيهقي في «الكبرى» كل واحد منهما بعله ليست هي العلة الأصلية في الحديث، وإنما علته الانقطاع، إلا أنه صحيح بما له من شواهد، وتفصيل كل ذلك بالأصل. «تنبيه»: اللفظ الذي ساقه الحافظ هنا هو للدارقطني، والحاكم، وأما لفظ أبي داود، فهو: «ما بلغ أن تؤدي زكاته، فزكي، فليس بكنز»

বাংলা

৬২২. উম্মু সালামাহ (রাঃ) থেকে বর্ণিত যে, তিনি স্বর্ণের বালা পরতেন। তারপর তিনি বললেন, —হে আল্লাহর রসূল! এগুলো কি (কুরআনে উল্লেখিত) গচ্ছিত সম্পদ (কানয) ? নবী (বললেন, 'যদি এর যাকাত আদায় কর তবে তা কানয হবে না। -হাকিম একে সহীহ বলেছেন।[1]

English

Umm Salamah (RAA) narrated that she was wearing golden ornaments and

asked the Messenger of Allah (ﷺ), ‘Is it considered as a treasure?’ He said, “If you pay the due Zakah, then it is not considered as a treasure.” Related by Abu Dawud and Ad-Daraqutni.

ফুটনোট

[1] আবু দাউদ ১৫৬৪, দারাকুতনী ২/১০৫/১, হাকিম ১/৩৯০

হাদিসের মান: সহিহ (Sahih) পুনঃনিরীক্ষিত

পাবলিশারঃ তাওহীদ পাবলিকেশন □ বর্ণনাকারীঃ উম্মু সালামাহ (রাঃ)

🔗 Link — <https://www.hadithbd.com/hadith/link/?id=70433>

 হাদিসবিডির প্রজেক্টে অনুদান দিন